युगप्रधान आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के महाप्रयाण के बाद आचार्य श्री महाश्रमण का धर्मसंघ के नाम संदेश

9.5.2010

।। अर्हम्।।

आज दिनांक 9.5.2010 (द्वितीय वैशाख कृष्णा एकादशी) को चिकित्सकीय प्रमाण पत्र के अनुसार अपराह्न लगभग 2.55 पर परम पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री महाप्रज्ञ का सरदारशहर में महाप्रयाण हो गया। तेरापंथ का दशम सूर्य अदृश्य हो गया। गुरुदेव का हम सब पर महान् उपकार है। अब हम उनकी स्मृति कर सकते हैं, कृतज्ञता का भाव प्रकट कर सकते हैं।

पूज्य गुरुदेव ने मानव जाति, जैन शासन और तेरापंथ धर्मसंघ की महान सेवा की। मैं मेरे धर्मसंघ के सभी साधु–साध्वियों और समण श्रेणी की चित्त–समाधि के लिए प्रयत्न करता रहूंगा, यह मेरा संकल्प है। तेरापंथ धर्मसंघ के श्रावक समाज को भी मैं आध्यात्मिक पोषण प्रदान करते रहने का संकल्प करता हूं। इसके अतिरिक्त मैं जैन शासन और मानव जाति की यथासंभव और यथोचित सेवा करने का संकल्प करता हूं।

इस कठिन परिस्थिति में हम सब मनोबल रखने का प्रयास करें और धर्मशासन की प्रभावना का प्रयास करते रहें।

सरदारशहर **– आचार्य महाश्रमण**

अर्हम्
आचार्य श्री महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति
आचार्य श्री महाप्रज्ञ चातुर्मास 2010
सरदारशहर